पत्रिका plus

jodhpur. saturday 08/10/2022 rajasthanpatrika.com/entertainment

न्यू एज : आईस्टार्ट का पहला इंक्यूबेशन सेंटर बनकर तैयार, संभागीय मुख्यालयों पर सरकार ने की पहल

13 करोड़ में तैयार पहला सरकारी को-वर्किंग स्पेस

125 स्टार्टअप की उम्मीद जगी

अविनाश केवलिया

जोधपुर. युवाओं को फोकस करते हुए संभाग मुख्यालयों पर तैयार हुए आई स्टार्ट के इंक्यूबेशन सेंटर आई नेस्ट ने कई उम्मीदें जगाई हैं। जयपुर के बाद अब संभागीय मुख्यालयों पर यह पहल हुई है और पाली जैसे छोटे शहर में भी इसकी शुरुआत की गई है। जोधपुर में इस सेंटर के लिए 13 करोड़ से अधिक का बजट लगाया है। यह सेंटर पूरी तरह से बनकर तैयार है और अब उद्घाटन का इंतजार है।

क्या मिलेगा फायदा

इस को-वर्किंग स्पेस या इंक्यूबेशन सेंटर में एक साथ 125 स्टार्टअप को बैठने के लिए की व्यवस्था है। फिलहाल यहां 40 से ज्यादा पंजीयन हो चुके हैं। इनको यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। इससे स्टार्टअप करने वाले युवाओं को ऑफिस खर्च नहीं लगेगा।

13.5 करोड़ है इसकी लागत

125 स्टार्टअप के बैठने की व्यवस्था

75 की सीटिंग व्यवस्था हो चुकी

40 के करीब पंजीयन हो चुके

डीओआईटी की ओर से तैयार इंक्यूबेशन सेंटर।

कैसे काम करेगा

पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में बना यह आईस्टार्ट नेस्ट एक प्रकार का को-वर्किंग स्पेस है। यहां बैठने के लिए ऑफिस के साथ एक्सपर्ट की राय और समय-समय पर कई प्रकार के सेशन भी हो सकते हैं। आई स्टार्ट पर ऑनलाइन पंजीयन और अप्रूव करने के बाद यहां स्थान मिलता है।

इनका कहना है

सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अच्छा कदम उठाया है। इससे युवाओं को काफी मदद मिलेगी। जोधपुर में अब स्टार्टअप के लिए इकोसिस्टम बन रहा है।

- जेपी ज्याणी, सेंटर प्रभारी व उप निदेशक, डीओआइटी

स्टार्टअप के लिए शहर में अच्छा माहौल बन रहा है। जो सेटअप सरकार ने दिया है वह बेहतरीन है। युवा जो यहां से पलायन कर रहे थे, उनके लिए अच्छा मौका है।

- रौनक सिंघवी, काउंसर व स्टार्टअप एक्सपर्ट